9.5.24

Dt

Pg 1 D+

# कुंजी

Tender Heart High School, Sec.33-B, CHD.

कक्षा- सातवीं सुमन शर्मा

विषय- हिंदी व्याकरण ("चित्र-वर्णन" 'कुंजी')

## वीवा हिंदी व्याकरण- 7

प्रस्तुत चित्र में हम देख रहे हैं कि कुछ मछुवारे एक तालाब के निकट खड़े हैं। वे आपस में बातें कर रहे हैं। तालाब में मछलियाँ तैर रही हैं। चारों ओर पेड़-पौधे हैं। लगता है, साँझ का समय है। एक मछुवारे के हाथ में मछली पकड़ने वाला जाल है। ऐसा लगता है कि तालाब जंगल में है। जिस व्यक्ति के हाथ में जाल है वह मेरे मित्र के गाँव के एक मछुवारे मोहन की तरह लगता है। इस चित्र को देखकर ऐसा लगता है जैसे मोहन अपने तीन साथियों के साथ तालाब से मछलियाँ पकड़ने आया है।

मोहन पहले मुम्बई में रहता था। एक दिन मैं अपने मित्र के साथ मोहन से मछली खरीदने गया, तब मैंने उससे मुम्बई छोड़ने का कारण पूछा, उसने बताया कि वह अपनी पत्नी और बेटी के साथ रहता था। मछलियाँ पकड़कर परिवार का पालन-पोषण करता था। वह रोज़ खाने का सामान खरीदता था। वह अपने भोजन से पहले एक गरीब को भरपेट भोजन कराता था। वे उसे आशीर्वाद देते। सब मोहन के व्यवहार के कारण उसकी सहायता के लिए तैयार रहते थे।

एक दिन मोहन रोज़ की तरह समुद्र में मछलियाँ पकड़ने गया लेकिन ये क्या? अचानक समुद्र में लहरें



Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

# कुंजी



कक्षा- सातवीं सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण ('चित्रलेखन' 'कुंजी')

उमड़ने लगी। आँधी-तूफ़ान के कारण मोहन की नाव उलट गई। मोहन पानी में तैरने लगा। वह तैरकर जितना आगे बढ़ता लहरें उसे उतना ही पीछे धकेल देतीं।

धीरे-धीरे शाम हो गई। उसकी पत्नी उसका इंतज़ार कर रही थी। तूफ़ान की खबर सुनकर उसकी पत्नी डर गई और भगवान् से प्रार्थना करने लगी। इस प्रकार राह देखते-देखते रात बीत गई। उसकी बच्ची भी भूखी सो गई। मोहन थक गया था, तभी उसकी अधखुली आँखों के सामने एक पेड़ की शाखा पानी की ओर झुकी दिखाई दी। मोहन ने तुरंत उसे पकड़ लिया और उस पर चढ़कर किनारे पर आ गया। दूसरे दिन तक तूफ़ान शांत हो चुका था।

गाँव में यह ख़बर फैल गई कि समुद्र में गए सभी मछुवारों की मृत्यु हो गई है। यह खबर सुनकर मोहन की पत्नी अवाक् (धक्) रह गई। उधर मोहन चार-पाँच दिन के बाद स्वस्थ होकर घर पहुँचा। उसे देखकर सभी ठगे से रह गए। किसी ने ठीक ही कहा है—

'जाको राखे साइयाँ मार सके न कोय।' उसके बाद से उसकी पत्नी ने उसे समुद्र में मछली पकड़ने नहीं जाने दिया।

मैं और मेरा मित्र घर आ गए। मेरे मन में मोहन की कहानी घूम रही थी।

(अंतिम पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner